Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 178 , 03 दिसम्बर, रविवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

कॉलेजों को फंड देने में भेदभाव कर रही सरकार

नई दिल्ली। विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पर कॉलेजों के बीच भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह सभी कॉलेजों को राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत फंड जारी करें। गुप्ता ने आरोप लगाया कि केजरीवाल कॉलेजों की गवर्निंग बॉडी के गठन से जोड़कर फंड जारी नहीं करें। इससे कॉलेजों में पढ़ने वाले बच्चों का नुकसान हो रहा है नेता विपक्ष ने कहा कि केजरीवाल सरकार तीन साल के कार्यकाल में ऐसा कोई फामरूला नहीं बना पाई है जिससे फंड के मामले में कॉलेजों के साथ न्याय हो सके। उनकी मांग है कि जिस तरह केंद्र कॉलेजों को फंड जारी करता है, उसी तर्ज पर केजरीवाल सरकार भी कॉलेजों को फंड जारी करे। गुप्ता ने आरोप लगाया कि गवर्निंग बॉडी के नाम पर सरकार कॉलेज प्रशासन को ब्लैकमेल कर रही है। गुप्ता के मुताबिक कई कॉलेजों के प्रधानाचायरे ने भी आरोप लगाया है कि उन्हें बीते तीन साल से समुचित फंड नहीं दिया जा रहा है जिससे कॉलेजों में अध्यापन कार्य चला पाना मुश्किल हो गया है।

ऑफिस की छत पर अंजान शख्स ने की लड़की से छेड़छाड़

नई दिल्ली। दिल्ली के कनॉट प्लेस में एक लड़की के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। लड़की का आरोप है कि जब वो अपने ऑफिस की छत पर गई तो एक अंजान आदमी वहां आया और उसने लड़की का हाथ पकड़ लिया। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक लड़की जब लंच ब्रेक में ऑफिस की छत पर गई तो वहां एक अंजान शख्स आया और गंदी हरकतें करने लगा। लड़की ने बताया कि आदमी मेरे सामने गंदी हरकतें करना लगा। उसके बाद उसने मुझे पकड़ लिया। जब मैंने भागने की कोशिश की तो मैंने देखा कि छत का दरवाजा बंद है। जिसके बाद आदमी ने मेरा हाथ पकड़ लिया और गलत जगह टच करने के लिए जिद करने लगा। जब मैं चीखी चिल्लाई उसके बाद वो वहां से भाग गया। बता दें कि लड़की ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज करवा दी है जिसके बाद पुलिस इस मामले की जांच में भी जुट गई है।

इस व्यक्ति ने पेट में निगल लिए 72 सिक्के, डॉक्टर हैरान,

नासिक। महाराष्ट्र के पालघर जिले में 50 साल के एक आदिवासी व्यक्ति का आपरेशन कर डाक्टरों ने उसके पेट से 72 सिक्के निकाले हैं। डाक्टरों के अनुसार कुछ मानसिक बीमारी के कारण व्यक्ति लंबे समय से सिक्के निगलता रहता था. आपरेशन करने वाली टीम के प्रमुख डा. अमित केले ने बताया कि कृष्ण सोमलया सांबर दुर्लभ रोग मेटलोपगिया से पीड़ित था। इस रोग के मरीजों में धातु की चीजें निगलने की प्रवृति होती है। उन्होंने बताया कि सांबर पालघर के तलसारी तालुका में थोराटपाडा का निवासी है। केले ने आज बताया कि सांबर करीब 20 साल से इस रोग से पीड़ित रहा है। उन्होंने बताया कि यह आपरेशन गुरूवार को हुआ और करीब साढे तीन घंटे चला। सांबर की स्थिति में सुधार हो रहा है और उसे जल्दी ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

छह करोड़ की ठगी का आरोपी धरा गया

नई दिल्ली। पुलिस ने एक ही जमीन को पांच बार बेचकर छह करोड़ रु पए की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की शिनाख्त हरियाणा निवासी हितेश (32) के रूप में हुई। इसके ऊपर एक ही जमीन को पांच बार बेचने का आरोप है। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त शिबेष सिंह के मुताबिक आरोपी को एसीपी द्वारका राजेन्द्र सिंह की देखरेख में एसएचओ द्वारका (नॉर्थ) जसमोहिंदर की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस को सितम्बर 2015 में शिकायत मिली थी कि जेएनयू के कई प्रोफेसरों ने मिलकर एक आवासीय फ्लैट का सौदा किया था। इसके लिए प्रोफेसर ने 1.44 करोड़ रपए दे दिए। बाद में उनको पता चला कि हितेश यह जमीन दो अन्य लोगों को बेच चुका है, जिसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।घोषित अपराधी गिरफ्तार : प्रशांत विहार थाना पुलिस ने चार साल से फरार चल रहे मुखर्जी नगर थाने के घोषित अपराधी को दबोच लिया है। आरोपी की पहचान बुराड़ी निवासी राजेश उर्फ चेतन रूप में हुई। आरोपी 2009 से ही एक मामले में फरार चल रहा था, जिसके बाद रोहिणी कोर्ट ने अक्टूबर 2013 में घोषित अपराधी करार दिया था। जिसके बाद अब करीब चार साल के बाद थाना पुलिस के हेड कांस्टेबल प्रेम प्रकाश ने आरोपी को दबोच लिया है।

आईआईटी छात्र को माइक्रोसाफ्ट ने दिया 1 करोड़ 34 लाख का सैलरी पैकेज

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के छात्र को इस बार का सर्वाधिक पैकेज 1 करोड़ 34 लाख 65 हजार रुपये का मिला है। छात्र को माइक्रोसाफ्ट कंपनी ने यूएस के लिए चुना है। पिछले साल सबसे अधिक 1.20 करोड़ का पैकेज ओरेकल कंपनी ने दिया था।

आईआईटी बीएचयू के प्लेसमेंट विभाग के अनुसार सर्वाधिक पैकेज पाने वाला मैथ्स एंड कम्प्यूटरिंग का छात्र है। उसे कंपनी ने युनाइटेड स्टेट के रेडमंड शहर में स्थित मुख्यालय में नियुक्ति दी है। छात्र को 2 लाख 14 हजार 600 अमेरिकी डॉलर मिलेगा जो रुपए में 1 करोड़ 34 लाख 65 हजार होगा। कोर्स पूरा करने के बाद छात्र रेडमंड शहर जाकर नौकरी ज्वाइन करेगा। आईआईटी बीएचयू के आचार्य सत्येंद्र नाथ बोस छात्रवास में पहले दिन 14 कंपनियों के प्रतिनिधियों ने विभिन्न कोर्सों के 114 छात्रों को जॉब ऑफर किया। प्लेसमेंट सत्र 20 दिसम्बर तक चलेगा। माइक्रोसॉफ्ट, टॉवर रिसर्च, ओरेकल, उबेर,गोल्डमैन, फ्लिप कार्ट, मिंड टिकल, क्वॉलकॉम, इंटेल, बजाज ऑटो, मास्टरकार्ड, ईएक्सएल सर्विस, एप्लाइड मैटेरियल्स जैसी कंपनियों

ने छात्रों का साक्षात्कार लिया। वहीं डॉ. रेड्डी लैब कंपनी ने स्काइप से साक्षात्कार लिया। सूत्रों के अनुसार पहले दिन दूसरे नम्बर पर टावर रिसर्च ने पांच छात्रों को 40 लाख के पैकेज पर चुना। वहीं तीसरे नम्बर पर ओरेकल ने 15 छात्रों का चयन 34.36 लाख सालाना के पैकेज पर किया। सबसे कम पैकेज 10 लाख 61 हजार रुपए का रहा। वहीं 10 कंपनियों ने दूसरी शिफ्ट में शाम 4 बजे से रात 11 बजे तक छात्रों का साक्षात्कार लिया। इनका रिजल्ट शनिवार को जारी होगा। **सबसे अधिक गोल्डमैन कंपनी ने चुने छात्र**

पहले दिन 114 छात्रों में सबसे अधिक गोल्डमैन कंपनी ने 24 छात्रों का चयन किया है। कंपनी ने छात्रों को 31 लाख 50 हजार का पैकेज दिया है। वहीं ईएक्सएल कंपनी ने 19 छात्रों को 11.20 लाख का पैकेज दिया है। माइक्रोसॉफ्ट ने इंडिया के लिए 15 छात्रों को 21 लाख के पैकेज पर चुना है। इंटेल टेक्नोलॉजी ने 14 छात्रों का 17 लाख के पैकेज पर चयन किया है।

102 छात्रों को पहले ही मिल चुकी है नौकरी

विभाग के अनुसार बीटेक कोर्स के 102 छात्रों को इंटर्नशिप के दौरान ही कंपनियों ने नौकरी का ऑफर लेटर दे दिया है। ये छात्र कैम्पस प्लेसमेंट में शामिल नहीं होंगे। इंटर्नशिप के दौरान सबसे अधिक पैकेज डीई शा कंपनी ने 36 लाख रुपए का दिया है। वहीं इंटर्नशिप के दौरान टावर रिसर्च कंपनी ने 32 लाख के पैकेज पर एक छात्र को चुना है।

आज छह कंपनी लेंगी हिस्सा

नौकरी के लिए शनिवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक छह कंपनियां शामिल होंगी। इसमें वॉलमार्ट, सोसाइटी जर्नल, मिन्त्रा, जेपी मोर्गन आदि है। इसके बाद 20 दिसम्बर तक शेड्युल के अनुसार अलग-अलग कंपनी छात्रों का साक्षात्कार करेंगी।

अब तक के मिले बड़े पैकेज

वर्ष	पैकेज	कंपनी
2014 -15	2.03 करोड़	गूगल
2015-16	2.27 करोड़	ओरेकल
2016-17	1.20 करोड़	ओरेकल

ये शर्त पूरी कर अब घर बैठे ?आधार से लिंक करें अपना मोबाइल नंबर

नई दिल्ली। भारत सरकार ने सभी मोबाइल यूजर्स के लिए अपने आधार कार्ड को मोबाइल नंबर के साथ लिंक करना जरूरी कर दिया है। मोबाइल नंबर को आधार कार्ड से लिंक करने की अंतिम तारीख 6 फरवरी 2018 है।

अब मोबाइल नंबर के साथ आधार कार्ड को लिंक करने के नियमों में बदलाव किया गया है, जो 1 दिसंबर से लागू कर दिया गया है। आधार अथॉरिटी यूआईडीएआई के मुताबिक टेलिकॉम कंपनियां घर बैठे मोबाइल नंबर को आधार से लिंक करने की सुविधा देंगी। इसमें आईवीआरएस और कंपनियों की वेबसाइट के जरिए लिंक करने की सुविधा है। इन सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए आपको एक शर्त पूरी करनी होगी। यदि आप इस शर्त को पूरा नहीं करते हैं तो आपको अपने टेलिकॉम ऑपरेटर के स्टोर पर जाना ही पड़ेगा। दरअसल घर बैठे अपने मोबाइल नंबर को आधार से लिंक करने की

सुविधा का लाभ वही लोग उठा सकते हैं, जिनका कम से कम एक मोबाइल नंबर आधार से पहले ही लिंक है। यदि आपका एक भी मोबाइल नंबर आधार से लिंक नहीं है, तो आपको इसके लिए स्टोर जाना जरूरी होगा और यहां आपको अपना बायोमैट्रिक भी देना होगा।

हथियार सप्लाई करने वाला तस्कर चढ़ा पुलिस के हत्थे

हथियार तस्कर हाफिज की गिरफ्तारी पर एक लाख रपए का इनाम घोषित था

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के बदमाशों को हथियार देने वाले तस्कर को स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की शिनाख्त रिफाकत अली उर्फ हाफिज (52) के रूप में हुई है। वह मेरठ का रहने वाला है, जिसकी गिरफ्तारी पर पुलिस ने एक लाख रपए का इनाम घोषित कर रखा था। इसके गिरोह में शामिल हथियार तस्करों से पुलिस गत दिनों में 55 पिस्टल और नौ मैगजीन बरामद कर चुकी है। स्पेशल सेल में इसके खिलाफ पांच मामर्ल दर्ज हैं।पुलिस उपायुक्त प्रमोद कुशवाह के मुताबिक आरोपी के चार साथी अरशद, मोबाई, कैलाश व माधव कुछ समय पूर्व गिरफ्तार हो चुके हैं, जिनके पास से बड़ी संख्या में हथियारों की खेप जब्त की गई थी। गिरोह के सदस्य धार और खारगोन जिलों से हथियारों की खेप दिल्ली पहुंचाते थे। इनसे पूछताछ के बाद ही रिफाकत के बारे में पता चला था। पुलिस ने 30 नवम्बर को उसे गांव राधवा इनायतपुर (मेरठ) से पकड़ लिया। पुलिस को इस तक पहुंचने में लगभग दो माह का वक्त लग गया। उसने बताया कि वह खिलाफत, फुरकान व फकीरा के साथ मिलकर हथियार सप्लाई करता है और तीनों गांव के ही रहने वाले हैं। फुरकान व फकीरा अभी जेल में बंद हैं। रिफाकत ने चार अन्य हथियार तस्करों के नामों का भी खुलासा किया है, पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

जहरखुरानी गिरोह के चार बदमाश बंदी

नई दिल्ली (एसएनबी)। पश्चिमी जिले के हरिनगर नगर इलाके में जहरखुरानी गिरोह के एक महिला समेत चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपी पेय पदार्थ में नशीली दवा मिलकर ई रिक्शा चालकों को बेहोश कर देते थे और बाद में उनके ई रिक्शा लेकर फरार हो जाते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बुद्ध विहार निवासी राजेश कुमार गुप्ता (36), जितेन्द्र कुमार (18), ममता (बदला नाम) और विजय विहार निवासी विशाल राठौर (23) के रूप में हुई। इनमें विशाल राठौर नामक आरोपी इलाके में एक दवाई की दुकान में काम करता है और वही नशे की दवाई की सप्लाई किया करता था।

खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें युवा : तिवारी

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में यमुना चैलेंज ट्राफी का उद्घाटन समारोह भाजपा शाहदरा जिला अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा एवं मयूर विहार जिला अध्यक्ष डॉ. ललित जोशी ने किया। दोनों जिले की एक-एक टीम पटपड़गंज मंडल का लक्ष्मीनगर मंडल से क्रिकेट मैच हुआ। इस मौके पर प्रदेश भाजपाध्यक्ष मनोज तिवारी, सांसद सासंद महेश गिरी, अरविन्दर सिंह लवली, विधायक ओमप्रकाश शर्मा भी मौजूद थे। इस मौके पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपाध्यक्ष ने कहा कि आज के नौजवान युवक ज्यादातर नेट और नशे की लत में डूबते जा रहे हैं। उन्होंने नौजवान युवकों से कहा कि वे खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें, ताकि इन्हीं खेलों में वे अपने देश का नाम रौशन कर सकें। विधायक ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि पूर्वी दिल्ली से जो भी टीम जीतेगी, उसे एक लाख रपए नकद इनाम मैं दूंगा। आज हुए मैच में लक्ष्मीगर टीम ने पटपड़गंज की टीम को 15 रनों से जीत हासिल की। इस अवसर पर महापौर नीमा भगत, सदन नेता संतोष, जोन चेयरमैन निर्मल जैन, भारत गौड़, हरि अरोड़ा, निगम पार्षद गुंजन गुप्ता, संजय गोयल आदि मौजूद थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

बेकाबू ट्रक की टक्कर से पुलिसकर्मी की मौत

नई दिल्ली। अलीपुर इलाके में ही हुए एक अन्य मामले में रात आठ बजे एनएच-24 पर बकोली के पास एक युवक को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। हादसे में युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान मृत्युंजय सिंह (40) के रूप में की गई है।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फ्लिहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बाबू जगजीवन राम अस्पातल में भेज दिया है। वहीं इस बाबत अलीपुर पुलिस ने हिट एंड रन का मामला दर्ज किया है। फ्लिहाल पुलिस आरोपी चालक की पहचान करने में जुटी हुई है।

सर्विस लेन से निकल रहे ट्रक को रोकने की पुलिसकर्मी ने कोशिश की

धुत चालक ने रुकने की जगह ट्रक पुलिसकर्मी पर ही चढ़ा दियामौके पर ही हुई मौतचालक गिरफ्तार, मेडिकल में नशे में होने की पुष्टि हुई अलीपुर इलाके में देर रात सर्विस लेन में चल रहे एक बेकाबू ट्रक को रोकने की कोशिश करना एक यातायात पुलिसकर्मी के लिए उस वक्त भारी पड़ गया, जब नशे में धुत्त उक्त ट्रक चालक ने गाड़ी रोकने की बजाए पुलिसकर्मी को ही कुचल दिया, जिससे पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनीपत निवासी यशबीर (45) के रूप में की गई है। इस घटना के बाद मौके पर से ही पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक को दबोच लिया। आरोपी की पहचान बिहार के नवादा जिला निवासी बीरू प्रसाद यादव के रूप में की गई है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी की मेडिकल जांच कराई जिसमें उसके नशे में होने की पुष्टि हुई। पुलिस के मुताबिक, घटना बृहस्पतिवार की देर रात करीब डेढ़ बजे की है। पुलिसकर्मी दिल्ली यातायात पुलिस के नरेला सर्किल में बतौर सिपाही तैनात था। घटना वाले दिन पल्ला मोड़ के पास यातायात के अन्य पुलिसकर्मियों के साथ अपनी ड्यूटी कर रहा था। उसी दौरान देर रात उसने देखा कि एक ट्रक सर्विस लेन से होकर गुजर रहा है। जिसे रोकने के ख्याल से यशबीर ने सर्विस लेन में जाकर सामने से आ रहे ट्रक चालक को गाड़ी रोकने का इशारा किया। लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने की बजाए यशबीर को अपनी चपेट में ले लिया और उसे कुचलते हुए आगे निकल गया। घटनास्थल पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने आरोपी चालक को दबोच लिया व यशबीर को राजा हरीशचंद्र अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

अंशु प्रकाश बने दिल्ली के मुज़्य सचिव

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने ग्रामीण विकास विभाग के अतिरिक्त सचिव अंशु प्रकाश को दिल्ली सरकार का मुख्य सचिव नियुक्त किया है। नियुक्ति पत्र में कहा गया कि गृह मंत्रालय के सक्षम प्राधिकार ने अंशु प्रकाश की नियुक्त को अनुमति दे दी है। अंशु प्रकाश आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार के साथ काम करने वाले चौथे मुख्य सचिव होंगे। दिल्ली सरकार व उपराज्यपाल के बीच सर्वोच्च न्यायालय में चल रही लड़ाई के फैसला जनवरी में आना है जिसके बाद अंशु प्रकाश को सरकार के साथ अपने पैंतरे बिठाने होंगे। अभी तुरंत उन्हें दिल्ली सरकार के विभागों के छमाही खर्च की समीक्षा करनी होगी जो प्रक्रिया तुरंत शुरू हुई है। विभागवार समीक्षा अभी दस दिन और चलेगी। दिल्ली सरकार के शीर्ष नेतृत्व ने के के शर्मा के पर कतर दिए थे लेकिन उन्होंने शालीनता से प्रशासनिक व्यवस्था में किनारे बैठकर अपना कार्यकाल गुजार लिया था। इसके विपरीत एम एम कुट्टी ने सरकार के नियमों के प्रति प्रतिबद्धता जताई व लगातार नियमानुसार निर्णय किए। के के शर्मा के विपरीत कुट्टी कभी दबाव में नहीं आए व ज्यादा दबाव बनते ही उच्च न्यायालय का रूख किया तथा सरकार को करारा झटका देने में कामयाब हुए। उन्होंने सरकार के खिलाफ आम आदमी मोहल्ला क्लिनिक की जांच को गति दे दी जिससे सरकार के स्वास्थ्य मंत्री घिर गए।इसके साथ ही डा. एम एम कुट्टी को एक वर्ष तक बेहतर कामकाज को देखते हुए वित्त मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव बनाया गया है। वर्ष भर के कार्यकाल में एम एम कुट्टी ने मुख्यमंत्री के कार्यपणाली से असहमति जताई।

जम्मू-कश्मीर के विधायकों ने देखी सरकारी स्कूलों में सुविधाएं

नई दिल्ली। दिल्ली के दौरे पर आए जम्मू-कश्मीर के विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सरकारी स्कूलों का दौरा किया और वहां की नई सुविधाओं की जानकारी ली। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य राउज एवेन्यू स्थित सरकारी स्कूल में गए जहां स्मार्ट क्लासरूम, नर्सरी क्लासरूम्स, आधुनिक सुख-सुविधाओं से युक्त मल्टीपरपज हॉल देखा। प्रतिनिधिमंडल में चार विधायक शामिल थे, जिसमें अब्दुल रहीम राठर, सीएम शरूरी, माजिद भट और नीलम कुमार लिंगाय शामिल थे जोकि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एथिक्स कमेटी के सदस्य भी हैं। स्कूलों का दौरा करने से पहले प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की।

तैयारियों को लेकर उपाध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री को दी जानकारी

डीडीए की जरूरी सेवाएं होंगी ऑनलाइन

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने राजधानी के नागरिकों को जरूरी सुविधाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू कर दी है। इस संबंध में डीडीए उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने शुक्रवार को केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी को जानकारी दी। दरअसल केंद्रीय मंत्री ने डीडीए उपाध्यक्ष को पिछले दिनों में सभी जरूरी सेवाओं का डिजिटलाइजेशन करने को कहा था। साथ ही जनसेवाओं में पारदर्शिता बरतने को भी कहा था। डीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि सेवाओं के डिजिटलाइजेशन में उसके 22 विभाग एवं 60 क्षेत्रीय कार्यालय शामिल होंगे। इसके लिए 5000 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके अलावा डीडीए अपने उपभोक्ताओं के लिए सोशल मीडिया, ई मेल, व्हाट्सऐप एवं एसएमएस पर भी उपलब्ध होगा। डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहन दिया जाएगा। उप जिलाधिकारी कार्यालयों में 22 नागरिक सुविधा केंद्र एवं मोबाइल नागरिक सुविधा केंद्र तथा 27 इंटरनेट सूचना केंद्र स्थापित किए जाएंगे। दिल्ली के बिजली उपभोक्ता अब अपने मोबाइल से ''भीम एप' के माध्यम से अपने बिजली बिल जमा कर सकेंगे। अभी यह सुविधा दिल्ली की बिजली वितरण कंपनी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लि. (टीपीडीडीएल) द्वारा अपने वितरण क्षेत्र में शुरू की गई है। जल्दी ही बीएसईएस भी यह सुविधा अपने उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराएगी। बिजली सहित अन्य बिलों के भुगतान के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए ''भीम एप'का उपयोग अब दिल्ली की बिजली वितरण कंपनी टीपीडीडीएल के उपभोक्ता अपने बिलों के भुगतान के लिए कर सकेंगे। इसके लिए उपभोक्ता यूपीआई को नेशनल पेमेंट्स कापरेरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने डिजिटल पेमेंट के लिए पेश किया है। इस एप के लिए मेन डिवाइस के रूप में मोबाइल फोन को ध्यान में रखकर एडवांस डिजिटल पेमेंट फीचर्स जोड़े गए हैं। भीम एप से भुगतान करने के लिए उपभोक्ता को अपनी पसंदीदा यूपीआई अनुपालक एप डाउनलोड कर अपने मोबाइल डिवाइस को अपने बैंक एकाउंट में रजिस्टर करवाना होगा।

दुनिया ऐसे लोगों से अंटी पड़ी है जो असाधारण सुख की आस में संतोष को ताक पर रख देते हैं -डग लारसन

केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन

आर्थिक वृद्धि दर में पिछली पांच तिमाहियों से जारी गिरावट का रु ख थमना निश्चय ही हमारे लिए राहत लेकर आया है। केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन के अनुसार वर्तमान वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के 5.7 प्रतिशत की तुलना में विकास दर 6.3 प्रतिशत रही है। इसके कई निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं। मसलन, अब आर्थिक विकास ने फिर से आगे बढ़ने की रफ्तार पकड़ ली है। हालांकि इसमें आर्श्चय की कोई बात नहीं, ज्यादातर एजेंसियों ने लगभग यही आकलन दिया था। आंकड़ों का विश्लेषण करें तो विनिर्माण, बिजली, गैस, जल आपूत्तर्, अन्य उपयोग सेवाओं, व्यापार, होटल, परिवहन तथा संचार एवं प्रसारण से जुड़े सेवा क्षेत्र में छह फीसद से अधिक वृद्धि दर्ज हुई है। वित्त मंत्री का कहना है कि नोटबंदी और जीएसटी लागू करने के कारण अर्थव्यवस्था में आया ठहराव अब खत्म हो गया है। अब देश की आर्थिक विकास दर 7 से 8 फीसद पहुंच जाएगी। हम अभी उनके आकलन पर हां की मुहर नहीं लगा रहे, लेकिन विकास दर वृद्धि की ओर अग्रसर है तो यह तत्काल पीछे नहीं लौटेगा, इतना कहा जा सकता है। अगर विनिर्माण क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन कर रहा है तो मानना चाहिए कि भविष्य अच्छा है। किंतु वहीं राजकोषीय घाटा बढ़ना चिंता का विषय है। वास्तव में राजस्व प्राप्ति कम रहने और खर्च बढ़ने से राजकोषीय घाटा अक्टूबर अंत तक 2017-18 के बजट अनुमान के 96.1 फीसद तक पहुंच गया। आंकड़ों के अनुसार खर्च और राजस्व के बीच का अंतर यानी राजस्व घाटा चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में 5.25 लाख करोड़ रुपये रहा है। लेखा महानियंत्रक के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले सात माह में राजस्व प्राप्तियां 7.29 लाख करोड़ रुपये हैं, जो पूरे साल के 15.15 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान का 48.1 फीसद है। एक साल पहले प्राप्तियां लक्ष्य का 50.7 फीसद रही थीं। अक्टूबी के अंत तक सरकार का कुल खर्च 12.92 लाख करोड़ रुपये रहा। वर्तमान वित्त वर्ष के लिए सरकार ने राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 3.2 फीसद पर रखने का लक्ष्य रखा है। पिछले वित्त वर्ष में सरकार 3.5 फीसद के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पाने में सफल रही थी। लेकिन इस वर्ष सीमा पार करता दिख रहा है। देखना होगा सरकार इसके लिए क्या करती है। विकास दर बढ़े और आय-व्यय के बीच संतुलन न रहे तो यह ठीक नहीं है।

मिसाइल परीक्षण

उत्तर कोरिया द्वारा लगातार मिसाइल परीक्षण यकीनन दुनिया में कई प्रकार की आशंकाओं को बढ़ावा दे रहा है। कोई नहीं कह सकता कि वह ऐसा क्यों कर रहा है। कोई भी देश ऐसा नहीं है जो कि उससे अकारण युद्ध छेड़े या उस पर हमला कर दे बल्कि उसके द्वारा विश्व की भावनाओं को नजरअंदाज करते हुए मिसाइलों के परीक्षण तथा पड़ोसी देशों के आसपास समुद्र में उसे गिराए जाने के कारण अवश्य दुनिया का गुस्सा उसके प्रति बढ़ा है। उसका अंतिम मिसाइल करीब 1,000 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद यह जापान सागर में जा गिरी। यह जापान के आर्थिक अपवर्जन क्षेत्र में गिरी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उसके नए अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण के बाद आकस्मिक बैठक बुलाई। इसमें सभी देशों ने उत्तर कोरिया के रवैये को गलत ठहराया। हालांकि कोई अमेरिका के तेवर की आलोचना कर सकता है। उसने सुरक्षा परिषद में कहा कि यदि उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण से युद्ध की स्थिति बनती है तो उसे नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। किंतु उत्तर कोरिया जो कर रहा है, उसका क्या किया जाए? उसे कैसे रोका जाए? ये ऐसे प्रश्न हैं, जिनका जवाब विश्व समुदाय को तलाशना है। चीन उसका सबसे करीबी देश माना जाता रहा है, लेकिन उसने भी मिसाइल परीक्षणों के रवैये को गलत करार दिया है। उस पर प्रतिबंध भी लगाया जा चुका है। इस परीक्षण के बाद अमेरिका ने फिर सभी देशों से अपील की कि वे प्योंगयांग से आर्थिक और कूटनीतिक रिश्ते तोड़ दे ताकि उसे इस भड़काने वाली कार्रवाई के लिए दंडित किया जा सके। यह भी सच है कि उसकी मिसाइल अमेरिका तक को जद में लेने वाली है। इससे अमेरिका का क्रोधित होना स्वाभाविक है। हालांकि इस पर दुनिया की अभी एक राय नहीं है। चीन चुप्पी साधे है। रूस ने अवश्य उत्तर कोरिया से मिसाइल परीक्षण रोकने को कहा है। किंतु इसके साथ इसके साथ ही उन्होंने अमेरिका और दक्षिण कोरिया से दिसम्बर में प्रस्तावित सैन्य अभ्यास नहीं करने की भी अपील की है। सुरक्षा परिषद में रूस का कहना था कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो स्थिति और खराब होगी। वह अमेरिका एवं दूसरे देशों को तत्काल एक कदम पीछे हटकर परिणामों का आकलन करने की सलाह दे रहा है। किंतु ये सभी सलाह तभी कोई मानेगा जब उत्तर कोरिया अपना पागलपन रोके और लगातार परीक्षणों से तनाव और भय पैदा करने की हरकत बंद करे।

सत्संग

स्वामित्व की आकांक्षा

हम स्वामी कहते हैं। स्वामी का मतलब होता है, मालिक। परिग्रह का अर्थ है स्वामित्व की आकांक्षा। पिता बेटे का मालिक हो सकता है, गुरु शिष्य का मालिक हो सकता है। जहां भी मालकियत है वहां परिग्रह है, और जहां भी परिग्रह है वहां संबंध हिंसात्मक हो जाते हैं। क्योंकि बिना किसी के साथ हिंसा किये मालिक नहीं हुआ जा सकता; और बिना किसी को गुलाम बनाए मालिक नहीं हुआ जा सकता। और बिना परतंत्रता थोपे पजेसिव होना असंभव है लेकिन क्यों है मनुष्य के मन में इतनी आकांक्षा कि वह मालिक बने? क्यों दूसरे का मालिक बनने की आकांक्षा है? दूसरे के मालिक बनने में इतना रस क्यों है? बहुत मजे की बात है: चूंकि हम अपने मालिक नहीं हैं, इसलिए। जो व्यक्ति अपना मालिक हो जाता है, उसकी मालकियत की धारणा खो जाती है। लेकिन हम अपने मालिक नहीं हैं और उसकी कमी हम जिंदगी भर दूसरों के मालिक होकर पूरी करते रहते हैं। लेकिन कोई चाहे सारी पृवी का मालिक हो जाए तो भी कमी पूरी नहीं हो सकती। क्योंकि अपने मालिक होने का मजा और है, और दूसरे के मालिक होने में सिवाय दुख के और कुछ भी नहीं। अपना मालिक होना एक आनंद है, दूसरे का मालिक होना सदा दुख है। इसलिए जितनी बड़ी मालकियत होती है, उतना बड़ा दुख पैदा हो जाता है। जिंदगी भर हम कोशिश करते हैं कि वह जो एक चीज चूक गई है, कि हम अपने मालिक नहीं हैं, सम्राट नहीं हैं अपने, वह हम दूसरों के मालिक बन कर पूरा करने की कोशिश करते हैं। यह ऐसे ही है जैसे कोई प्यास को आग से पूरा करने की कोशिश करे और प्यास और बढ़ती चली जाए। आग से प्यास नहीं बुझाई जा सकती। दूसरे का मालिक बन कर अपनी मालकियत नहीं पाई जा सकती। बल्कि बड़े मजे की बात है कि जितना ही हम दूसरे के मालिक बनते हैं, जिसके हम मालिक बनते हैं उसका हमें गुलाम भी बन जाना पड़ता है। असल में मालकियत दोहरी परतंत्रता है। जिसके हम मालिक बनते हैं वह तो हमारा गुलाम बनता ही है, हमें भी उसका गुलाम बन जाना पड़ता है। मालिक अपने गुलाम का भी गुलाम होता है। पति कितना ही पत्नी का मालिक बनता हो, लेकिन गुलाम भी हो जाता है। और सम्राट कितने ही बड़े राज्य का मालिक हो, पूरी तरह गुलाम हो जाता है। गुलाम हो जाता है भय का, क्योंकि जिन्हें हम परतंत्र करते हैं, उन्हें हम भयभीत कर देते हैं।

देशव्यापी स्वच्छता अभियान

लोगों को मौत अपने आगोश में नहीं समेट पाई थी, वे उस जहरीली गैस के असर से मर-मर कर जिंदा रहने को मजबूर हो गए थे। ऐसे लोगों में कई लोग तो उचित इलाज के अभाव में मर गए। और जो किसी तरह जिंदा बच गए उन्हें तमाम संघर्षों के बावजूद न तो आज तक उचित मुआवजा मिल पाया है और न ही उस त्रासदी के बाद पैदा हुए खतरों से पार पाने के उपाय किए जा सके हैं। भोपाल में यूनियन कारबाइड कारखाने का सैकड़ों टन जहरीला मलबा उसके परिसर में दबा या खुला पड़ा हुआ है। इस मलबे में कीटनाशक रसायनों के अलावा पारा, सीसा, क्रोमियम जैसे भारी तत्व है, जो सूरज की रोशनी में वाष्पित होकर ह्वा को और जमीन में दबे रासायनिक तत्व भू-जल को जहरीला बनाकर लोगों की सेहत पर दुष्प्रभाव डाल रहे

सतीश पेडणोकर

दिसम्बर 1984 की आधी रात के बाद भोपाल के यूनियन कार्बाइड के कारखाने से निकली जहरीली गैस (मिक यानी मिथाइल आइसो साइनाइट) ने अपने-अपने घरों में सोए हजारों लोगों को एक झटके में हमेशा-हमेशा के लिए सुला दिया था। जिन लोगों को मौत अपने आगोश में नहीं समेट पाई थी, वे उस जहरीली गैस के असर से मर-मर कर जिंदा रहने को मजबूर हो गए थे। ऐसे लोगों में कई लोग तो उचित इलाज के अभाव में मर गए। और जो किसी तरह जिंदा बच गए उन्हें तमाम संघर्षो के बावजूद न तो आज तक उचित मुआवजा मिल पाया है और न ही उस त्रासदी के बाद पैदा हुए खतरों से पार पाने के उपाय किए जा सके हैं।

भोपाल में यूनियन कारबाइड कारखाने का सैकड़ों टन जहरीला मलबा उसके परिसर में दबा या खुला पड़ा हुआ है। इस मलबे में कीटनाशक रसायनों के अलावा पारा, सीसा, क्रोमियम जैसे भारी तत्व है, जो सूरज की रोशनी में वाष्पित होकर हवा को और जमीन में दबे रासायनिक तत्व भू-जल को जहरीला बनाकर लोगों की सेहत पर दुष्प्रभाव डाल रहे हैं। यही नहीं, इसकी वजह से उस इलाके की जमीन में भी प्रदूषण लगातार फैलता जा रहा है और आसपास के इलाके भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। मगर न तो राज्य सरकार को इसकी फिक्र है और न केंद्र सरकार को।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो बहुप्रचारित देशव्यापी स्वच्छता अभियान चला रखा है, उसमें भी इस औद्योगिक जहरीले कचरे और प्रदूषण से मुक्ति का महत्त्वपूर्ण पहलू शामिल नहीं है।

तात्कालिक तौर पर लगभग दो हजार और उसके बाद से लेकर अब तक कई हजार लोगों की अकाल मृत्यु की जिम्मेदार विश्व की यह सबसे भीषणतम औद्योगिक त्रासदी आज तीन दशक बाद भी औद्योगिक विकास के रास्ते पर चल रही दुनिया के सामने एक सवाल बनकर खड़ी हुई है। इंसान को तमाम तरह की सुख-सुविधाओं के साजो-सामान देने वाले सतर्कताविहीन विकास का यह रास्ता कितना मारक हो सकता है, इसकी मिसाल भोपाल में तैंतीस बरस पहले भी देखने को मिली थी और अब भी देखी जा रही है।

गैस रिसाव से वातावरण और आसपास के प्राकृतिक संसाधनों पर जो बुरा असर पड़ा, उसे दूर करना भी संभव नहीं हो सका। नतीजतन, भोपाल के लोग आज तक उस त्रासदी के प्रभावों को झेल रहे हैं। जिस समय देश औद्योगिक विकास के जरिए समृद्ध होने के सपने देख रहा है, उन लोगों की पीड़ा भी अवश्य याद रखी जानी चाहिए। सिर्फ उनसे हमदर्दी जताने के लिए नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचने के लिए भी यह जरूरी है।कारखाना-परिसर में रखे 350 टन जहरीले रासायनिक कचरे का निपटान सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं हो सका है। इस कचरे को ठिकाने लगाने की जिम्मेदारी कारखाने के प्रबंधन की थी, मगर जब सरकार खुद उसके बचाव में खड़ी हो गई तो उससे वाजिब सख्ती की उम्मीद कैसे की जा सकती थी! सरकार ने इस कंपनी के अमेरिकी प्रबंधन से अदालत के बाहर समझौता कर लिया था और रासायनिक मलबे को कारखाना परिसर में ही या तो जमीन के नीचे दबा दिया गया या फिर खुला छोड़ दिया गया। वर्ष 2004 में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में जहरीली गैस कांड संघर्ष मोर्चा की ओर से दायर याचिका में गैस पीड़ित बस्तियों में पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे इस रासायनिक कचरे को नष्ट करने के आदेश देने की मांग की गई थी, जिस पर हाई कोर्ट ने केंद्र एवं राज्य सरकार को निर्देश दिए थे कि इस जहरीले कचरे को मध्य प्रदेश के धार जिले के पीथमपुर में इन्सीनेटर में नष्ट कर दिया जाए। लेकिन अनेक स्वयंसेवी संगठनों ने यह कहकर इसका विरोध किया था कि पीथमपुर में इसे जलाने से वहां के पर्यावरण के साथ ही वहां रह रहे लोगों को नुकसान होगा। तब हाई कोर्ट ने गुजरात के अंकलेश्वर में यह जहरीला कचरा जलाने के निर्देश दिए। वहां की तत्कालीन सरकार ने जहरीला कचरा जलाने की अनुमति भी दे दी थी, लेकिन वहां के लोगों ने कचरा जलाने का विरोध किया। उसके बाद गुजरात सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके इस मामले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया था, जिस पर शीर्ष अदालत ने जहरीले कचरे को नागपुर के निकट डीआडीओ के इंसीनेटर में नष्ट करने के निर्देश दिए। लेकिन वहां भी गैर सरकारी संगठनों के विरोध के चलते महाराष्ट्र सरकार ने नागपुर में जहरीला कचरा जलाने से असमर्थता जता दी। इस सिलसिले में महाराष्ट्र विधानसभा में तो बाकायदा एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। कारखाने के गोदाम में रखे या जमीन में दबे जहरीले कचरे में तमाम कीटनाशक रसायन और लेड, मर्करी और आर्सेनिक मौजूद है, जिनका असर अभी कम नहीं हुआ है। यह खुलासा केंद्रीय प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड ने अपनी जांच रिपोर्ट में किया है। इस कचरे की वजह से भोपाल और उसके आसपास का पर्यावरण और विशेषकर भूजल दूषित हो रहा है अनेक अध्ययन बताते हैं कि कारबाइड कारखाने वाले इलाके में रहने वाली महिलाओं में आकस्मिक गर्भपात की दर तीन गुना बढ़ गई है। पैदा होने वाले बच्चों में आंख, फेफड़े, त्वचा आदि से संबंधित मर्ज लगातार बना रहता है। उनका दिमागी विकास अपेक्षित गति से नहीं होता है। इस इलाके में कैंसर के रोगियों की संख्या में भी लगातार इजाफा हो रहा है, लेकिन कानूनी और पर्यावरणीय उलझनों के चलते इस कचरे का समय रहते समुचित निपटान नहीं हो सका। गैस त्रासदी के बाद से ही मांग की जाती रही है कि औद्योगिक इकाइयों की जवाबदेही स्पष्ट की जाए। मगर सभी सरकारें इससे बचती रही हैं। शायद उनमें इसकी इच्छाशक्ति का ही अभाव रहा है। नतीजतन गैस त्रासदी के पीड़ित परिवारों को आज तक मुआवजे के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। जो लोग आज तक स्वास्य संबंधी गंभीर परेशानियां झेल रहे हैं, उनकी तकलीफों की कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। ऐसे में सरकार से क्या उम्मीद की जाए।

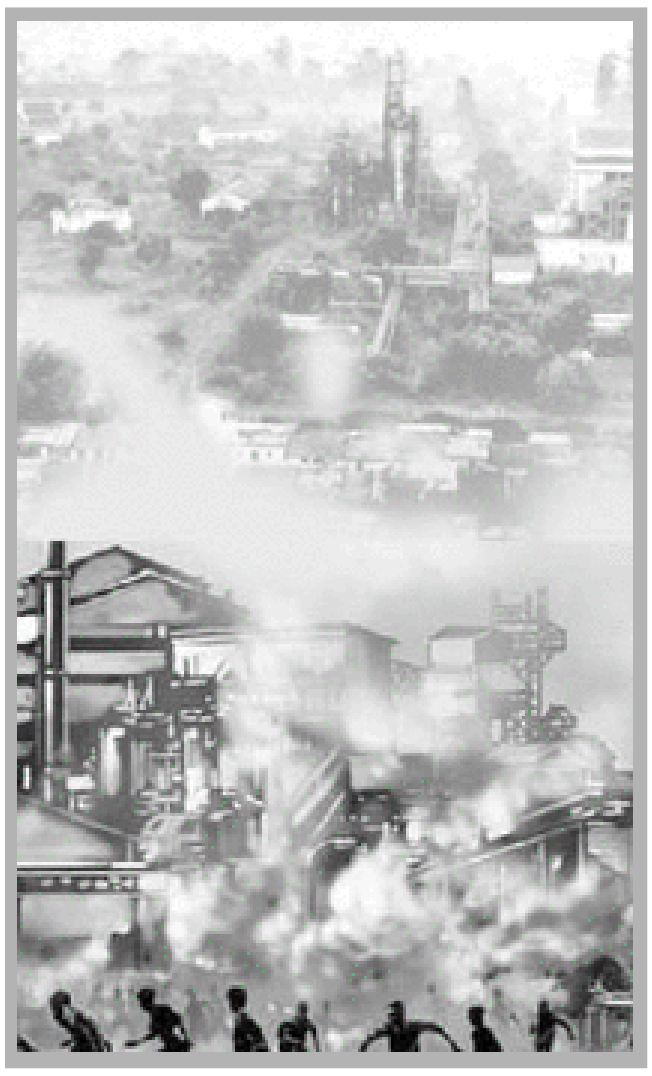

चलते चलते

शीर्ष पर ही जादूगर

खाकी पार्टी को बाहर के जादूगरों की क्या जरूरत है? उनके यहां तो शीर्ष पर ही जादूगर है। ऐसा-वैसा नहीं, सबसे बड़ा जादूगर, जो रात को दिन और दिन को रात कर दे। पब्लिक के खाते में लाखों रुपये पहुंचाने के वादे को जुमला कर दे। अच्छे दिनों के चक्कर में पब्लिक की हालत पतली कर दे। इतने बड़े गरू जादूगर के होते हुए, खाकी पार्टी बाहर के छोटे-मोटे जादूगरों का सहारा ले रही है। गुजराती होते हुए भी इस बार गुजरात में बड़े जादूगर का जादू नहीं चल रहा है।

अब विपक्ष वालों को खाकी पार्टी के गुजरात में जादूगरों की मदद लेने पर भी आपत्ति हो गयी। कह रहे हैं कि खाकी पार्टी को बाहर के जादूगरों की क्या जरूरत है? उनके यहां तो शीर्ष पर ही जादूगर है। ऐसा-वैसा नहीं, सबसे बड़ा जादूगर, जो रात को दिन और दिन को रात कर दे। पब्लिक के खाते में लाखों रुपये पहुंचाने के वादे को जुमला कर दे। अच्छे दिनों के चक्कर में पब्लिक की हालत पतली कर दे। इतने बड़े गरू जादूगर के होते हुए, खाकी पार्टी बाहर के छोटे-मोटे जादूगरों का सहारा ले रही है। गुजराती होते हुए भी इस बार गुजरात में बड़े जादूगर का जादू नहीं चल रहा है। विकास तो पगलाया सो पगलाया, यूपी वाला कब्रिस्तान बनाम मान भी काम नहीं कर रहा है। बेचारों को विरोधियों की दादी, पड़दादा वगैरह की करनियों पर ही भरोसा करना पड़ रहा है और उसके भी फुस्स हो जाने का डर है। तभी तो महाराष्ट्र के छोटे-मोटे जादूगरों को चुनाव में रोजगार मिल रहा है। खैर! जादू कोई भी दिखाए, मकसद तो हाथ की सफाई दिखाना है। पब्लिक को भरमाना है। और पब्लिक को भी कोई परमानेंटली भरमाने की शर्त नहीं है। सिर्फ वोट डालने तक भ्रम में रहे, इतना ही काफी है। देखा नहीं कैसे योगी जी ने शहरी चुनाव में आखिरी वोट पड़ते ही, यूपी की पब्लिक को बिजली का तगड़ा झटका दिया है। शहर तो शहर, गांवों को भी चुनाव ने इतने दिन बिजली के झटके से बचाए रखा।

कौन कहता है कि खाकी पार्टी वालों को पब्लिक की परवाह नहीं है! जब खाकी वालों के सबसे बड़े जादूगर का ही जादू नहीं चल रहा है, फिर छोटे जादूगरों से शिकायत ही क्या करनी? पासवान जी ने भी साफ कह दिया है। प्याज-टमाटर के भाव आसमान छू रहे हैं तो वह कुछ नहीं कर सकते। वह तो सिर्फ खाद्य तथा आपूत्तर मंत्री हैं। प्याज-टमाटर के भाव पर उनका जादू नहीं चलता। जब बड़े-बड़ों का जादू नहीं चल रहा है, उनसे ही जादू चलाने की मांग क्यों की जा रही है? उनका तो वैसे भी शामिल बाजा है। आज इधर के जादू में शामिल हैं, कौन जाने कल किधर के जादू में शामिल होंगे।

मुद्दा

अर्थव्यवस्था में सुस्ती

क्रेद्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने वित्तीय वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितम्बर में आर्थिक वृद्धि के जो आंकड़े पेश किए हैं, उनमें सकारात्मक और उत्साहवर्धक बदलाव दिखाई दे रहा है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही में 6.3 फीसद की दर से बढ़ोतरी हुई है। पिछली तिमाही में यानी अप्रैल से जून के दरान जीडीपी वृद्धि दर 5.7 फीसद थी। लगातार कई तिमाहियां में जीडीपी की गिरावट के बाद सुधार यह बताता है कि अर्थव्यवस्था ने नोटबंदी और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे अल्पकालिक आर्थिक झटकों को पीछे छोड़ दिया है। स्थिति यह है कि पिछले एक वर्ष से चले आ रहे अल्पकालीन आर्थिक प्रभाव कम हो गए हैं और आर्थिक सुधारों की प्रगति दिखाई दे रही है। यदि हम नए आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि इस दूसरी तिमाही में जीडीपी को जो गति मिली है, उसके लिए विनिर्माण क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। दूसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि 7 फीसद रही थी। जबकि पिछली तिमाही में यह महज 1.2 फीसद थी। लेकिन कृषि क्षेत्र में विकास दर घटी है और यह 1.7 फीसद रही जबकि पहली तिमाही में यह 2.3 फीसद थी। जिन क्षेत्रों में 6 फीसद से ज्यादा वृद्धि दर्ज हुई, उनमें विनिर्माण के अलावा बिजली, गैस, जल आपूत्तर, होटल, परिवहन एवं संचार तथा प्रसारण से जुड़ी सेवाएं शामिल हैं। स्पष्ट है कि उत्पादन और उपभोग दोनों ही मामलों में अर्थव्यवस्था आगे बढ़ी है। नोटबंदी और जीएसटी के प्रभाव बीते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में आने वाली तिमाहियों में वृद्धि की रफ्तार और भी तेज होने की उम्मीद है। स्पष्ट है कि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही से अर्थव्यवस्था में जो सुस्ती आई थी, उसका पहिया अब पलटता हुआ दिखाई दे रहा है। वर्ष 2017 की शुरुआत में अर्थव्यवस्था के बदलाव की जो चुनौतियां झेलनी पड़ी थीं, वह दौर गुजरते हुए दिखाई दे रहा है और आगे लगातार बेहतरी के आसार दिख रहे हैं। निस्संदेह अब वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही के आंकड़े संकेत दे रहे हैं कि आर्थिक बदलाव के दौर में अर्थव्यवस्था निवेश और कारोबार सुधार की ओर बढ़ी है। पिछले कुछ दिनों में देश की क्रेडिट रेटिंग बढ़ने और कारोबार आसान बनाने से संबंधित जो नई महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट प्रकाशित हुई हैं, वे स्पष्ट संकेत दे रही हैं कि वर्ष 2017 में निवेश व कारोबार के मामले में भारत का परिदृश्य बदला है। पिछले दिनों 17 नवम्बर को अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की क्रेडिट रेटिंग को बीएए-3 से बढ़ाकर बीएए-2 कर दिया है। वर्ष 2004 के बाद यानी 13 साल बाद मूडीज ने भारत की रेटिंग में सुधार किया है। रेटिंग में सुधार के लिए मूडीज ने ये कारण प्रस्तुत किए हैं- भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हो रही बढ़ोतरी, नोटबंदी और जीएसटी के लाभ, डूबते कर्ज से पैदा हुई बैंकिंग की समस्या को दूर करने के लिए सरकार द्वारा दिया गया पैकेज, देश भर में तेजी से बढ़े आधार कार्ड और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के लाभ। मूडीज ने यह भी कहा है कि वर्ष 2017-18 में भारत की विकास दर 7.5 फीसद होगी।

इसी तरह, बीती 31 अक्टूबर 2017 को विश्व बैंक द्वारा प्रकाशित ''ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' रैंकिंग में 190 देशों की सूची में भारत 100वें नंबर पर पहुंच गया है। इतना ही नहीं, विश्व बैंक ने भारत को इस साल सबसे ज्यादा सुधार करने वाले दुनिया के शीर्ष 10 देशों की सूची में शामिल किया है। निश्चित रूप से देश की अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव के लिए विकास के साथ-साथ रोजगार के अवसरों को बढ़ाया जाना होगा। विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर बढ़ानी होगी। प्रॉपर्टी खरीदना और इसका रजिस्ट्रेशन कराना भी आसान बनाने की जरूरत है। उद्यमियों के लिए नौकरशाही कम करने, पैसे का लेन-देन आसान करने की जरूरत है। रोजगार, निर्यात और निजी निवेश बढ़ाने के कारगर प्रयास किए जाने होंगे। कारोबार के विभिन्न कदमों को तेज करने के लिए भ्रष्टाचार को नियंत्रित करना होगा।

नित नई बुलंदियों की ओर

आभा स्वामी

दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम लगातार नौ साल तक विदेशी जमीन पर टेस्ट सीरिज न हारने की अद्भुत प्रतिष्ठा के साथ भारत पहुंची थी। यहां पर उसका आगाज जोरदार रहा। टी-20 और एकदिवसीय सीरीज में उसने भारत को परास्त कर दिया। यह उसकी अप्रत्याशित-सी सफलता थी। इसलिए कि दक्षिण अफ्रीकी टीम की क्रिकेट के छोटे फॉर्मेट्स में उपलब्धियां ज्यादा नहीं हैं। इसके बावजूद भारत में टी-20 और एकदिवसीय सीरीज में दक्षिणी अफ्रीकी क्रिकेटरों ने जैसा फॉर्म दिखाया, उससे आशंका गहराई कि चार टेस्ट मैचों की सीरीज भारत को भारी पड़ेगी। मगर फिर यही साबित हुआ कि क्रिकेट घोर अनिश्चितताओं का खेल है। विराट कोहली की युवा टीम ने मोहाली के पहले टेस्ट मैच में पांसा ऐसा पलटा कि दक्षिण अफ्रीकी टीम संभवत: अगले किसी टेस्ट के एक सत्र के लिए भी संभल नहीं पाई। भारतीय स्पिनरों रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की फिरकी गेंदों ने एबी डीविलियर्स और हाशिम अमला जैसे बड़े नामों को भी चैन नहीं लेने दिया।

कहा जा सकता है कि दक्षिण अफ्रीकी टीम पर कुछ दुर्भाग्य का भी साया रहा। उसके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज डेल स्टेन जख्मी रहे। लेकिन वैसी टीम प्रतिष्ठा की दावेदार नहीं हो सकती, जो किन्हीं एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर हो। तो जिस इज्जत के साथ टीम भारत आई, उसे गंवाकर अब यह स्वदेश लौटेगी। इसके साथ ही विदेशों में न हारने का रिकॉर्ड रखने वाली एकमात्र टीम भी टेस्ट क्रिकेट के क्षितिज से ओझल हो गई है। घरेलू टीम के वर्चस्व की परिघटना अब क्रिकेट का सिद्ध सच बन गया है। क्यों? क्या इसलिए कि विदेशी माहौल में लंबे फॉर्मेट का क्रिकेट खेलने का धीरज, जीवट या कौशल चुकता चला जा रहा है? या इसलिए कि घरेलू टीम पिच को जान-बूझकर अपनी ताकत के मुताबिक ऐसे तैयार करवाती है, जिससे विपक्षी टीम के लिए टिकना लगभग असंभव हो जाता है? इस श्रंखला में भी पिच को भारतीय स्पिनरों के मुताबिक बनवाने के आरोप लगे। नागपुर टेस्ट के बाद तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने जांच कराई। जांच रिपोर्ट में पिच को स्तरहीन बताया गया। मोहाली और नागपुर में भारतीय बल्लेबाज भी संघर्ष करते नजर आए। तीन दिन में मैच खत्म हुए।

ये पिचें टेस्ट मैच खेलने योग्य नहीं थीं। मगर इस बिंदु पर प्रश्न उठेगा कि क्या ये स्थिति बल्लेबाजों के हक में लगातार बनाए गए नियमों तथा परिस्थितियों का परिणाम है, जिससे आज के बल्लेबाज प्रतिकूल स्थितियों में सहज समर्पण कर देते हैं? यह टेस्ट क्रिकेट के हित में होगा कि दुनियाभर की क्रिकेट प्रशासक संस्थाएं इन सवालों पर गंभीरता से विचार करें। टेस्ट क्रिकेट वैसे ही अपनी लोकप्रियता खोता जा रहा है। यह धारणा बनी कि इसमें परिणाम खिलाड़ियों की प्रतिभा, कौशल और रणनीतियों के मुकाबले से नहीं, बल्कि पिच और स्थानीय परिस्थितियों से तय होते हैं, तो लाजिमी है कि लोगों की दिल

शिवा केशवन फिर बने एशियाई चैम्पियन

नई दिल्ली। जर्मनी के एल्टेनबर्ग में हुई एशियाई ल्यूज चैंपियनशिप में भारत के शीतकालीन ओलंपियन शिवा केशवन ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। इस तरह उन्होंने इस चैम्पियनशिप में खिताब बरकरार रखा है।

इस चैंपियनशिप में गत चैंपियन केशवन ने 55.60 सेकेंड के समय के साथ खिताब अपने नाम किया। ताइवान के लियान ते अन ने 56.12 सेकेंड के समय के दूसरा और कोरिया के कीम डोंग क्यू 56.50 सेकेंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। केशवन ने मुकाबले में धीमी शुरुआत की, लेकिन दूसरे कॉर्नर के बाद वह बढ़त लेने में सफल रहे और इसे अंत तक बरकरार रखा। केशवन अब दक्षिण कोरिया में अगले साल होने वाले शीतकालीन ओलिंपिक में रिकॉर्ड छठी बार देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चिर प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल और मोहन बागान के बीच मुकाबला रविवार को

कोलकाता। आई-लीग की बड़ी टीमों में शामिल चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान और ईस्ट बंगाल की टीमों के बीच रविवार यहां के ऐतिहासिक साल्ट लेक स्टेडियम में मुकाबला होगा लेकिन यह मैच 'असामान्य समय' पर खेला जायेगा। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने हालांकि कहा है कि आई-लीग देश की सबसे बड़ा घरेलू टूर्नामेंट है लेकिन यह बात किसी से छुपी नहीं कि आकर्षक मानी जाने वाली इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) को ना सिर्फ बेहतर खिलाड़ी मिले हैं बल्कि प्रसारण के मामले में भी उसने बाजी मारी है। आईलीग की स्थिति को इससे भी खराब हो रही कि टूर्नामेंट के सबसे बड़े मैचों में से एक इस मैच को दोपहर दो बजे खेला जायेगा। कोलकाता की इन टीमों के लिये 1984 के बाद यह पहली बार है जब मैच दोपहर में खेला जायेगा। आईएसएल के मैचों को शाम साढ़े पांच और रात आठ बजे खेले जाते हैं इसलिये आईलीग के मैचों को इससे पहले खेला जा रहा हैं। इस मैदान में दोनों टीमों के बीच 680 दिनों के बाद मुकाबला होगा। पिछले साल 23 जनवरी को यहां खेला गया मैच 1-1 से ड्रा रहा था। मोहन बागान के सहायक कोच शंकरलाल चक्रवर्ती ने कहा, %इस बड़े मैच के लिये यह असामान्य समय है। हमने खिलाड़ियों से वार्मअप के लिये दोपहर 1-10 बजे मैदान में पहुंचने को कहा है। इसका यह मतलब है कि खिलाड़ियों को सुबह जल्दी खाना खाना होगा, शायद दस बजे तक जिससे उनके खेल पर असर पड़ सकता है।'' ईस्ट बंगाल के 12 खिलाड़ी आईएसएल टीमों से जुड़ गये है हालांकि मोहन बगान को चैम्पियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले जापानी खिलाड़ी कात्सुमी युसा सुनहरी लाल (ईस्ट बंगाल) जर्सी में दिखेंगे। युसा ने कहा, '' मैनें दोनों टीमों के बीच कई मुकाबलों का हिस्सा रहा हूं। हर मैच दूसरे से अगल होता है। लेकिन इस बार मेरे लिये कुछ नया है। मोहन बागान का सामना करने को लेकर मैं उत्सुक हूं। मैं उनका सम्मान करता हूं लेकिन मैच में मेरा ध्यान ईस्ट बंगाल के खिलाड़ी के तौर पर होगा।''

मेरीकाम ने मुक्केबाजी की राष्ट्रीय पर्यवेक्षक का पद छोड़ा

नयी दिल्ली। खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के यह स्पष्ट करने के बाद कि कोई भी सक्रिय खिलाड़ी खेलों में राष्ट्रीय पर्यवेक्षक नहीं हो सकता, पांच बार की विश्व चैम्पियन एम सी मेरीकाम ने मुक्केबाजी में राष्ट्रीय पर्यवेक्षक के पद से इस्तीफा दे दिया। पिछले महीने पांचवां एशियाई चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक जीतने वाली मेरीकाम ने कहा,'' मैने दस दिन पहले ही खेलमंत्री से बात करने के बाद राष्ट्रीय पर्यवेक्षक के पद से इस्तीफा दे दिया। मैने यह पद मांगा नहीं था, मुझसे इस पद को ग्रहण करने के लिये कहा गया था।'' उन्होंने कहा, '' मैने तत्कालीन खेल सचिव इंजेती श्रीनिवास से उस समय पूछा भी था कि सक्रिय खिलाड़ियों को पर्यवेक्षक नहीं बनाने के बारे में क्या नियम है। उस समय मुझे बताया गया कि मैं यह पद स्वीकार कर लूं। मैने मंत्रालय के आग्रह पर ऐसा किया और मैं किसी अनावश्यक विवाद में नहीं पड़ना चाहती जब मैने वह पद मांगा ही नहीं था।'' तत्कालीन खेलमंत्री विजय गोयल ने मार्च में 12 राष्ट्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किये थे जिनमें मेरीकाम एक थी। इस सूची में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा, दोहरे ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील, मुक्केबाज अखिल कुमार शामिल थे । सुशील और मेरीकाम अभी भी सक्रिय खिलाड़ी हैं जबकि अखिल अब अमैच्योर मुक्केबाज नहीं हैं। मेरीकाम ने कहा,'' मेरी इसमें कभी भी रुचि नहीं थी लेकिन मैने मंत्रालय के आग्रह पर इसे स्वीकार किया। मेरे पास करने के लिये बहुत कुछ है। मुझे कोई मलाल नहीं है।''

कोहली और विजय का शतक, भारत के चार विकेट पर 371 रन

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

कप्तान विराट कोहली के लगातार तीसरे और सलामी बल्लेबाज मुरली विजय के लगातार दूसरे शतक और दोनों के बीच तीसरे विकेट की बड़ी शतकीय साझेदारी से भारत ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन आज यहां चार विकेट पर 371 रन बनाकर अपना पलड़ा भारी रखा। कोहली ने 186 गेंद में 16 चौकों की मदद से 156 रन की नाबाद पारी खेलने के अलावा विजय (267 गेंद में 155 रन, 13 चौके) के साथ तीसरे विकेट के लिए 283 रन की साझेदारी भी की। दिन का खेल खत्म होने पर रोहित शर्मा छह रन बनाकर कोहली का साथ निभा रहे थे।

यह पहला मौका है जब भारत में दो बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में किसी दिन के खेल के दौरान 150 से अधिक रन बनाने में सफल रहे। पहले और अंतिम सत्र की आंशिक सफलता को छोड़ दिया जाए तो श्रीलंका के गेंदबाजों को दिन के खेल के दौरान अधिकांश समय जूझना पड़ा। भारत ने पहले सत्र में 27 ओवर में दो विकेट पर 116, दूसरे सत्र में 30 ओवर में बिना विकेट खोए 129 जबकि तीसरे और अंतिम सत्र में 33 ओवर में दो विकेट पर 126 रन जोड़े। श्रीलंका को बायें हाथ के चाइनामैन स्पिनर लक्षण संदाकन (110 रन पर दो विकेट) ने अंतिम ओवरों में वापसी दिलाई।

लाहिरू गमागे (68 रन पर एक विकेट) और आफ स्पिनर दिलरूवान परेरा (97 रन पर एक विकेट) ने भी एक-एक विकेट हासिल किया। संदाकन की गेंदबाजी में हालांकि अनुशासन की कमी दिखी और उन्होंने छह नोबाल फेंकी। कोहली ने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल दिख रही फिरोजशाह कोटला की पिच पर टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन सुबह के सत्र में सलामी बल्लेबाज शिखर धवन (23) और चेतेश्वर पुजारा (23) के विकेट जल्दी गंवा दिए। इन दोनों को मलाल होगा कि वे जमने के बाद बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे।

कोहली और विजय ने हालांकि इसके बाद मेहमान टीम के गेंदबाजों को 65-4 ओवर तक सफलता से महरूम रखा। ये दोनों बल्लेबाज श्रीलंका के गेंदबाजों पर पूरी तरह से हावी होकर खेले। भारत को विजय और धवन की जोड़ी ने सकारात्मक शुरूआत दिलाई। विजय ने सुरंगा लकमल के पहले ही ओवर में लगातार दो चौकों के साथ खाता खोला जबकि धवन ने भी इस तेज गेंदबाज पर चौका मारा। धवन ने दिलरूवान परेरा पर भी दो चौके मारे लेकिन इसी आफ स्पिनर का 100वां टेस्ट शिकार बने। परेरा की गेंद को स्वीप करने की कोशिश में धवन हवा में खेल गए और लकमल ने डीप बैकवर्ड स्क्वायर पर कैच लपका।

इस दौरान लकमल का जूता भी निकल गया लेकिन उन्होंने कैच पकड़ने में कोई गलती नहीं की।नागपुर में दूसरे टेस्ट में 128 रन की पारी खेलने वाले विजय इससे पहले 12 रन के निजी स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब लकमल की गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर तीसरी स्लिप और गली के बीच से चार रन के लिए चली गई। विजय और पुजारा ने 13वें ओवर में भारत का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया। पुजारा ने सतर्क शुरूआत के बाद परेरा पर दो चौके मारे जबकि लाहिरू गमागे और लक्षण संदाकन की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। वह हालांकि जब अच्छी लय में दिख रहे थे तब श्रीलंका के जाल में फंस गए।

गमागे ने पुजारा के लिए लेग स्लिप लगाई थी और भारतीय बल्लेबाज ने पैड पर आई इस तेज गेंदबाज की गेंद पर वहीं सदीरा समरविक्रम को कैच थमा दिया। इस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर 78 रन था। कप्तान कोहली ने आते ही गमागे पर चौके के साथ खाता खोला। उन्होंने बायें हाथ के चाइनामैन स्पिनर संदाकन पर चौके के साथ 24वें ओवर में भारत के रनों का शतक पूरा किया।

भारतीय कप्तान विराट कोहली के 5000 टेस्ट रन पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। बेहतरीन फार्म में चल रहे भारतीय कप्तान विराट कोहली यहां फिरोजशाह कोटला मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन टेस्ट क्रिकेट में 5000 रन के आंकडे को पार करने में सफल रहे। पहली पारी में श्रीलंका के तेज गेंदबाज सुरंगा लकमल पर चौके के साथ 25 रन के आंकडे को पार करते ही कोहली ने यह उपलब्धि हासिल की। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले 11वें भारतीय बल्लेबाज हैं।

कोहली ने अपनी 105वीं पारी में यह कारनामा किया। भारत की ओर से सबसे कम पारियों में 5000 टेस्ट रन बनाने का रिकार्ड पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर के नाम दर्ज है जिन्होंने 95 पारियों में इस आंकडे को छुआ है। भारत के लिए कोहली से कम पारियों में 5000 टेस्ट रन गावस्कर के अलावा वीरेंद्र सहवाग (99) और सचिन तेंदुलकर (103) ने बनाए हैं।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 5000 रन बनाने का रिकार्ड आस्टेलिया के पूर्व महान बल्लेबाज डान ब्रेडमैन के नाम है जिन्होंने सिर्फ 56 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। उनके अलावा टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में कोई बल्लेबाज 90 पारियों में भी 5000 रन नहीं बना पाया है। इस मैच से पहले कोहली के नाम 62 टेस्ट में 51-82 की औसत से 4975 रन दर्ज थे। इससे पहले श्रीलंका के आफ स्पिनर दिलरूवान परेरा भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन (23) को आउट करके टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम मैचों में 100 विकेट हासिल करने वाले श्रीलंकाई गेंदबाज बने। परेरा ने अपने 25वें टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल करते हुए महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन (27 मैच) का रिकार्ड तोडा। वह 100 टेस्ट विकेट हासिल करने वाले छठे श्रीलंकाई गेंदबाज हैं।

एडिलेड में 2014 का शतक मेरे लिये विशेष: विराट कोहली

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में 2014 दौरे के दौरान खेली गयी 141 रन की पारी को अपना सर्वश्रेष्ठ टेस्ट शतक करार देते हुए कहा कि उनकी कप्तानी में उस मैच के दौरान टीम को मिले आत्मविश्वास ने उन्हें दुनिया की शीर्ष टीम बनने का मौजूदा दर्जा हासिल करने की नींव रखी। भारतीय टीम इस दौरान चौथी पारी में 364 रन के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पायी थी और 315 रन पर आउट होकर पहला टेस्ट 48 रन से गंवा बैठी थी।

कोहली ने 'पापुलर च्वाइस स्पेशल अचीवमेंट पुरस्कार' मिलने के बाद कहा, ''मुझे लगता है कि बदलाव के दौर के हिसाब से एडिलेड टेस्ट (दिसंबर 2014 में) में दूसरी पारी का शतक, जिसमें हमने मैच लगभग जीत ही लिया था, मेरे लिये काफी विशेष था। मैं हमेशा इस मैच को याद रखूंगा। ''उन्होंने कहा, ''तुरंत ही मेरे मन में आया कि मुझे टीम से बात करनी चाहिए। मैंने चौथे दिन के खेल के बाद टीम बस में खिलाड़ियों से बात की और आस्ट्रेलिया ने तब अपनी पारी घोषित नहीं की थी। मैंने उन्हें कहा कि कल वो हमें जो भी लक्ष्य देंगे, हम उसका पीछा करने का प्रयास करेंगे। ''तब महेंद्र सिंह धोनी चोटिल थे, उनकी अनुपस्थिति में कोहली ने टीम की कप्तानी की थी।

कोहली ने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों से पूछा कि क्या किसी को कोई आपत्ति या हिचक है तो उन्हें तुरंत ही बता देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''किसी ने भी आपत्ति नहीं की और तब मैंने उनसे कहा कि वे इस विचार के साथ अपने कमरे में जाये कि वे कल लक्ष्य का पीछा करने उतरेंगे। ''इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने 62 टेस्ट में 19 शतक जड़ लिये हैं। कोहली ने कहा, ''हम पांचवें दिन यह सोचकर क्रीज पर उतरे कि हम इस मैच को जीत सकते हैं। मुझे पूरा भरोसा था कि हम मैच जीत सकते हैं। हम हालांकि इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाये, जिससे हमें दुख होता है लेकिन बतौर टीम हमने जो किया, उससे हमारा काफी आत्मविश्वास बढ़ा कि हम दुनिया की किसी भी टीम से भिड़ सकते हैं और कहीं भी किसी को हरा सकते हैं।

हमने यही रवैया आगे भी जारी रखा और अब हम यहां पहुंच गये हैं। कोच रवि शास्त्री ने भारत के दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के बारे में बात और कहा कि निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना टीम की सफलता की कुंजी है। शास्त्री ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीकी दौरा खुद को साबित करने का अवसर होगा। विदेशों में सफलता की कुंजी निरंतरता है। यह टीम विदेशों में जीत दर्ज करने का माद्दा रखती है। मुझे ऐसा कोई कारण नजर नहीं आता जिससे यह कहा जाए कि ये खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। ''पूर्व कप्तान कपिल देव भी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने कहा कि वर्तमान भारतीय टीम किसी भी टीम को हरा सकती है।

कपिल ने कहा, ''मुझे लगता है कि टीम उस स्तर पर पहुंच चुकी है जहां वह किसी को भी हरा सकती है। चाहे वह दक्षिण अफ्रीका हो या आस्ट्रेलिया। हमारे पास ऐसा कप्तान है जो समझता है कि टीम को कैसे काम करना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''इस टीम को केवल एक ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है कि किसे अंतिम एकादश में चुना जाए क्योंकि हमारे पास मजबूत बेंच स्ट्रेंथ है।'' महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने अपनी टीम की तरफ से विशेष पुरस्कार हासिल किया। उन्होंने कहा कि इस साल के शुरू में विश्व कप में उप विजेता रहने से लोगों का महिला क्रिकेट के प्रति रवैया बदला है। मिताली ने कहा, ''अच्छा लगता है कि हमें हमारा हक मिल रहा है और लोग आखिरकार हमें पहचान रहे हैं।'

शरदुल कर्नाटक के खिलाफ क्वार्टर फाइनल के लिये मुंबई टीम से बाहर

मुंबई। मुंबई के घायल तेज गेंदबाज शरदुल ठाकुर कर्नाटक के खिलाफ सात दिसंबर से होने वाले रणजी ट्राफी क्वार्टर फाइनल मैच में नहीं खेलेंगे। ठाकुर को त्रिपुरा के खिलाफ मुंबई के आखिरी लीग मैच में कैच लपकते समय बायें कंधे में चोट लगी थी। श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला केलिये टीम में चुने गए श्रेयस अय्यर को भी टीम में शामिल नहीं किया गया। आदित्य तारे की अगुवाई वाली टीम में युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और सलामी बल्लेबाज जय बिस्टा हैं।

कोलिन डे ग्रांडहोमे के शतक से न्यूजीलैंड ने विंडीज पर शिकंजा कसा

वेलिंगटन। हरफनमौला कोलिन डे ग्रांडहोमे के सिर्फ 71 गेंद में पहले टेस्ट शतक की मदद से न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन अपना दबदबा कायम कर लिया। कोलिन के कैरियर का यह सातवां टेस्ट है। वह सबसे तेज टेस्ट शतक जमाने वाले बल्लेबाजों की सूची में नौवे स्थान पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर नौ विकेट खोकर 447 रन बना लिये थे। उसके पास 313 रन की बढत है चूंकि कैरेबियाई टीम पहली पारी में 134 रन ही बना सकी थी।

कोलिन 105 रन बनाकर आउट हुए जिन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और तीन छक्के लगाये। इससे पहले सीनियर बल्लेबाज रोस टेलर और हेनरी निकोल्स ने चौथे विकेट के लिये 127 रन की साझेदारी की। कोलिन और टाम ब्लंडेल ने सातवें विकेट के लिये 148 रन जोड़े। ब्लंडेल 57 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि टेलर ने 93 और निकोल्स ने 66 रन बनाये। न्यूजीलैंड ने सात विकेट खोकर 362 रन बनाये । मेजबान ने अपने कल के स्कोर दो विकेट पर 85 रन से आगे खेलना शुरू किया था।

शोर्ड ने खिलाड़ियों से खुद पर विश्वास रखने को कहा

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

हाकी विश्व लीग (एचडब्ल्यूएल) में क्वालीफाई करने वाली टीमों के खिलाफ आंकड़े भले ही भारतीय टीम के पक्ष में ना हो लेकिन मारिन शोर्ड अतीत पर ध्यान नहीं देना चाहते और उन्होंने खिलाड़ियों से 'खुद पर भरोसा' रखने को कहा है। महज दो महीने पहले रोलेंट ओल्टमेंस की बर्खास्तगी के बाद टीम का कोच नियुक्त किये मारिन को पता है कि ऐसा कहना आसान है लेकिन करना थोड़ा मुश्किल। उन्होंने कहा, ''अतीत में जो हुआ उसे हम बदल नहीं सकते लेकिन भविष्य को हम बदल सकते है। हमें भविष्य में अच्छा करने के लिये अतीत से सीखना होगा।''

मारिन से एचडब्ल्यूएल में भाग ले रहे अन्य सात टीमों के खिलाफ भारत के खराब रिकार्ड के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह मानसिकता और विश्वास की बात है। आपको भरोसा करना होगा की आप जीत सकते हैं और टीम अच्छा कर रही है। हमें मैदान में ऐसा कर दिखाना होगा। यह आसान नहीं होगा लेकिन हम चुनौती के लिये तैयार है।'' एचडब्ल्यूएल फाइनल में भारत को ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, जर्मनी, इंग्लैंड, बेल्जियम, अर्जेंटीना और स्पेन जैसी शीर्ष टीमों से भिड़ना है। इन सभी टीमों के विरुद्ध जीत-हार का रिकार्ड भारत के खिलाफ है। लेकिन अपनी पहली परीक्षा में भारत को एशिया कप में जीत दिलाने वाले मारिन टीम के अच्छे प्रदर्शन के प्रति आश्वस्त और चुनौतियों के लिये तैयार है।

भारतीय टीम के कोच कहा, '' टीम अच्छे प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त है, मैं भी आश्वस्त हूं। ये अच्छा है कि इस मामले में दोनों की सोच एक जैसी है। इसका मतलब यह है कि हम हर बार अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा करने में लगे रहते है जैसा कि कल (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) भी करने की कोशिश करेंगे। हम एशिया कप में जरूर जीते लेकिन अब हमारे पास एशिया कप से अच्छा करने का मौका है। हमें यहां अच्छा करने के लिये काफी मेहनत करनी पड़ेगी।'' टूर्नामेंट में भारतीय टीम कल मौजूदा चैम्पियन और विश्व रैंकिंग मे दूसरे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी।

कोच ने कहा कि खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया चुनौती के लिये तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''हम पहला मैच खेलने के लिये तैयार है। इस मैच के लिये हमने एक महीने तक तैयारी की है। यह काफी आक्रामक मैच होगा। हम विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज टीम के खिलाफ खेलने को तैयार है। यह चुनौती है। हम इसे ऐसे ही देखते है।'' भारतीय टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह कल अपना 200वां मैच खेलेंगे।

महज 25 साल की उम्र में ऐसा करने को लेकर वह काफी उत्सुक है। उन्होंने कहा, '' मेरे लिये यह लंबा सफर है। मैं अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलूंगा और मैं काफी उत्सुक हूं की ऐसा घरेलू मैदान पर हो रहा है।

क्रांति समय

राजनाथ सिंह ने कहा- मैं भी गुजरात का बेटा क्योंकि, मेरी मां का नाम गुजराती देवी

लिंबायत और मजूरा विधानसभा क्षेत्रों में की सभाएं

सूरत। केंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा के सीनियर लीडर राजनाथ सिंह ने शनिवार को लिंबायत और मजूरा विधानसभा क्षेत्र के हिंदीभाषी बाहुल्य क्षेत्रों में लोगों को संबोधित किया। राजनाथ सिंह कांग्रेस पर जमकर बरसे। अपनी विशिष्ट शैली में राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कांग्रेस के युवा नेता को गुजरात का विकास नहीं दिख रहा है। उन्हें इंसोनिया की बीमारी है, जिसकी वजह से उन्हें मति और दृष्टि भ्रम हो रहा है।

90 के दशक में कांग्रेस ने खाम थियरी के मुताबिक लोगों को बांटने का काम किया। राजनीति सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं होती देश बनाने के लिए होती है। गुजरात के जो तीन युवा कांग्रेस का हाथ पकड़ रहे हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि जो कांग्रेस का हाथ पकड़ता है वह डूबता है। अखिलेश यादव इस बात का ताजा उदाहरण हैं।

गुजरात के बेटे ने देश का नाम किया रोशन

राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा लोगों के स्वाभिमान का पूरा खयाल रखती है। कांग्रेस के समय में पाकिस्तान की गोलीबारी के सामने सफेद झंडा दिखाया जाता था। अब भारतीय फौज रोज 2-3 आतंकवादियों को टपका रही है। सिंह ने कहा कि आज गुजरात के बेटे ने देश का नाम दुनिया में ऊंचा किया। उन्होंने कहा कि मेरी मां का नाम गुजराती देवी है। मैं गुजराती का बेटा हूं। राजनाथ सिंह ने लोगों की डिमांड पर भोजपुरी में भी भाषण दिया।

भारत की अर्थव्यवस्था कर रही तेजी से ग्रोथ

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने सूरत में एक प्रेस वार्ता में कहा कि देश की जीडीपी ग्रोथ कम हो रही है। इसके जवाब में बमरोली की सभा में गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। विश्व प्रसिद्ध मूडी एजेंसी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल है। अगले 5 साल में देश की अर्थव्यवस्था ग्रोथ टॉप 3 में शामिल हो जाएगी। नोटबंदी के मुद्दे पर कांग्रेस ने बखेड़ा किया। लाइनों में घंटों लगे लोग भी मोदी सरकार के इस निर्णय से खुश थे।

हिंदीभाषियों के लिए छोटी जगहों पर रखीं सभाएं

गृहमंत्री राजनाथ सिंह की दोनों सभाएं ऐसे स्थानों पर आयोजित की गईं जहां जगह बहुत कम थी। राजनीतिक चर्चाओं की मानें तो चुनाव में जीत हासिल करने के लिए भाजपा सभी छोटे-बड़े नेताओं को मैदान में उतार रही है। छोटी जगहों पर गृहमंत्री की सभाएं आयोजित करने के पीछे हिंदीभाषियों के वोट बटोरने का है। इसी वजह से सभा के लिए ऐसे स्थल पसंद किए गए, जो बहुत ही छोटे थे। ऐसा लग रहा है जैसे मनपा चुनाव के लिए किसी पार्षद की सभा आयोजित की गई हो।

सभा स्थल की कम थी क्षमता

राजनाथ सिंह की सभा के लिए लिंबायत और बमरोली रोड पर जो स्थान तय किए गए थे, उनकी क्षमता बहुत कम थी। बमरोली रोड की सभा भी छोटी सी जगह पर आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी सूरत के हिंदी भाषी बाहुल्य क्षेत्रों में सभा करने के लिए भेजा गया था। पांडेसरा में योगी आदित्यनाथ की सभा भी बहुत छोटी जगह पर आयोजित की गई थी।

भाजपा ने कोई विकास नहीं किया: प्रफुल्ल

एनसीपी के राष्ट्रीय सचिव और गुजरात प्रभारी प्रफुल्ल पटेल का शनिवार को शहर के मोरा भागल, मोटा वराछा और जिले के जंखवाव में तीन सभाओं को संबोधित करने का कार्यक्रम था, लेकिन वह एक सभा में नहीं पहुंचे। शहर के मोरा भागल इलाके में सूरत पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के एनसीपी प्रत्याशी का प्रचार करने आए के लिए प्रफुल्ल सभा करने वाले थे, लेकिन वह आए ही नहीं। एनसीपी नेता हरीश सूर्यवंशी ने कहा कि ट्रैफिक की वजह से प्रफुल्ल पटेल नहीं पहुंच पाए। शाम को मोटा वराछा में आयोजित सभा में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने विकास का कोई काम नहीं किया है। ओलपाड में किसानों की स्थिति ठीक नहीं है। लोग बिजली-पानी की समस्याओं से जूझ रहे हैं। जंखवाव में भाजपा पर बरसे पटेल :जिले की मांगरोल सीट के जंखवाव गांव में हुई पहली सभा में प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार विकास की झूठी बातें कर लोगों को अंधेरे मे रख रही है। किसानों को फसल का उचित दाम तक नहीं दिला पा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी राज्य की हालत ठीक नहीं है। गरीबों के बच्चे शिक्षा से वंचित हो रहे हैं।

बीजेपी ने लिया बड़ा ऐक्शन तीन पूर्व सांसद समेत 24 पार्टी मेंबरों को किया सस्पेंड

सूरत। चुनाव को अब एक हफ्ते से भी कम का वक्त बाकी है, ऐसे में बीजेपी के इस कदम को काफी बड़ा माना जा रहा है। गुजरात में नवसारी निर्वाचन क्षेत्र से चार पार्टी कर्मचारियों को निलंबित किया गया है।

गुजरात विधानसभा चुनाव के ठीक पहले बीजेपी ने बड़ा कदम उठाते हुए पार्टी के 24 सदस्यों को सस्पेंड कर दिया है। बीजेपी ने शुक्रवार को एंटी-पार्टी गतिविधियों में शामिल रहने के आरोप में जिन 24 मेंबर्स को सस्पेंड किया है उनमें तीन पूर्व सासंद- भूपेंद्र सिंह प्रभात सिंह सोलंकी, कन्ये पटेल और विमल शाह भी शामिल हैं। चुनाव को अब एक हफ्ते से भी कम का वक्त बाकी है, ऐसे में बीजेपी के इस कदम को काफी बड़ा माना जा रहा है। गुजरात में नवसारी निर्वाचन क्षेत्र से चार पार्टी कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। इनमें धनंजय भाई, अर्जुन भाई, सुशील कुमार और कंजीभाई पटेल का नाम शामिल है। इसके अलावा सूरत से अजय भाई चौधरी, भरूच से खुमन सिंह वासिया, जामनगर से वल्लभ भाई धार्वी और रमेश भाई डांगर, देव भूमि द्वारका से श्री अर्जन भाई कंजारिया, अमरेली से श्री हमीर भाई, भावनगर से श्री दिलावर सिंह, पालिटाना से श्री नान्नो भाई, पंचमहल से जसवंत सिंह, दाहौद से भावेश भाई और बाबू भाई, खेद्रा से जौन सिंह विमल भाई, अहमदाबाद से कामा भाई, गांधी नगर से श्री रोहित नायनी, पाटन से डॉ विष्णु दान और महीनगर से श्री हितेंद्र पटेल और भूपेंद्र सिंह सोलंकी को निलंबित किया गया है। बता दें कि गुजरात में 182 सीटों पर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दो चरणों में होने वाले हैं। पहले चरण का चुनाव 9 दिसंबर को है, जिसमें 89 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे तो वहीं दूसरे चरण के लिए मतदान 14 दिसंबर को है, इस दिन बाकी 93 सीटों के लिए मतदान किया जाएगा। वोटिंग के परिणामों का ऐलान 18 दिसंबर को होगा।

प्रधानमंत्री पर चूडियां फेंकनेवाली निर्दलिय उम्मीदवार का चुनाव चिह्न भी चूडियां

वड़ोदरा (ईएमएस)। शहर में पीएम की रोड शो के समय उन पर चूडियां फेंककर विरोध जता रही महिला निर्दलिय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रही है। देखने वाली बात यह है कि महिला का चुनाव चिह्न भी चूडियां ही है। इस बार के विधानसभा चुनाव में वड़ोदरा शहर की बेठक पर मुकाबला रोचक बनता जा रहा है। कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शहर में रोड शो के दौरान चूडियां फेंककर अखबारों की सुर्खियां बटोरनेवाली चंद्रिका सोलंकी नामक महिला निर्दलिय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रही है। चंद्रिका सोलंकी को चुनाव चिह्न चूडियां दिया गया है। चुनाव आयोग द्वारा निर्दलिय उम्मीदवारों को विभिन्न प्रकार के चुनाव चिह्न आवंटित किया जाता है। चूडियां के कारण चर्चा में आई चंद्रिका सोलंकी को चुनाव चिह्न चूडियां मिला है। सूत्रों के मुताबिक चंद्रिका ने खुद ही चूडियां चुनाव चिह्न की मांग की थी। नारी शक्ति की ताकात दिखाने के लिए चंद्रिका ने इस प्रतिक की मांग की थी। चंद्रिका सोलंकी वडोदरा शहर की बैठक पर निर्दलिय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रही है। सरकार के खिलाफ पिछले काफी समय से आंदोलन कर रही आशावर्करों की अगवानी चंद्रिका सोलंकी ने चुनाव लड़ने के लिए सरकारी नौकरी छोड़ दी थी। चंद्रिका सोलंकी कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ने की अटकलें थे। उसने राहुल गांधी से भी मुलाकात की थी। राहुल ने ट्वीट कर उल्लेख भी किया था, हालांकि अब चंद्रिका निर्दलिय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रही है। चंद्रिका रिक्शा मं बैठकर नामांकन पत्र भरने गई थी उस समय भी उसकी काफी चर्चा हुई थी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 22 अक्टूबर को वड़ोदरा शहर में रोड शो था। रोड शो के दौरान पीएम के काफिले पर चंद्रिका सोलंकी ने आशा वर्करों के साथ हो रहे अन्याय का विरोध करने के चूडियां फेंकी थी। इस घटना के बाद पुलिस ने तुरंत को चंद्रिकाबेन को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने रायोटींग के अपराध के तहत चंद्रिका को दो दिन कस्टडी में रखा और उसके जमानत पर रिहा कर दिया। पीएम मोदी पर चूडियां फेंकने की घटना के बाद चंद्रिका को सरकार विरोधी प्रवृति में शामिल होने के आरोप के तहत शिक्षिका के पद से हटा दिया गया। चंद्रिका छोटा उदेपुर जिले के संखेडा तहसील के कोटाली गांव की प्राथमिक स्कूल में शिक्षिका थी। चंद्रिका को सस्पेन्ड किए जाने पर उन्होंने नौकरी से इस्तीफा दे दिया। फिक्स वेतन संघर्ष समिति की महिला वींग के प्रमुख चंद्रिकाबेन 2001 से शिक्षक के पद पर कार्यरत थे।चंद्रिका को कुछ माह पहले एक सरकारी कार्यक्रम में श्रेष्ठ शिक्षिका का अवार्ड से सन्मानित किया गया था। सुरेन्द्रनगर जिले के झांजरका गांव में आयोजित इस कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षा में दिए गए प्रदान के तहत सीएम के हाथों चंद्रिका को सन्मानित किया गया था।

चक्रवाती तूफान गुजरात की ओर बढ़ने की संभावना के चलते अलर्ट जारी

अहमदाबाद (ईएमएस)। दक्षणि भारत के तमिलनाडु और केरल में रौद्र स्वरूप दिखानेवाला ओखी चक्रवात तूफान के गुजरात की ओर बढ़ने की संभावनाओं को देखते हुए राज्य में अलर्ट जारी किया गया है। गुजरात के तटि क्षेत्रों में मछुराओं को अगले 48 घंटों तक समुद्र में नहीं जाने का आदेश दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल केरल पर स्थिर ओखी चक्रवात की असर 3 और 4 दिसंबर को गुजरात में दिखाई देगी। जिसमें खासकर दक्षणि गुजरात समेत तटीय लाकों में बारिश होने की संभावना है। ओखी चक्रवात तूफान के तमिलनाडु पहुंचने पर 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली थी, जो अब बढ़ कर 110 प्रति किलोमीटर हो गई है। तूफान के गुजरात पहुंचने तक हवा की गति बढ़कर 130 किलोमीटर प्रति घंटे होने की संभावना है। तेज हवा के साथ बारिश होने की भी संभावना है। साथ ही समुद् के तूफानी होने की भी संभावना व्यक्त की जा रही है। इन संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। तटीय इलाकों में कोस्टगार्ड के जवानों को तैनात कर दिया गया है। हांलाकि ओखी चक्रवात के गुजरात पहुंचने तक कमजोर होने की भी संभावना है। इसके बावजूद दक्षणि गुजरात के तटीय इलाकों में तेज हवा के साथ बारिश होने की पूरी संभावना है। साथ ही सिस्टम के कमजोर होने से आसमान में बादलों के जमावडे के बीच छुटपुट बारिश हो सकती है। छुटपुट बारिश होने के बावजूद गुजरात में ठंड बढ़ने की फिलहाल कोई गुंजाईश नहीं है, क्योंकि उत्तरी भारत में बर्फबारी नहीं हो रही।

राज्य की एकमात्र सीट पर दो महिलाओं के बीच मुकाबला

अहमदाबाद (ईएमएस)। समग्र राज्य में भावनगर पूर्व की सीट पर दो महिलाओं के बीच मुकाबला होगा। भाजपा के उम्मीदवार व वर्तमान विधायक विभावरीबेन दवे के सामने कांग्रेस महिला उम्मीदवार नीताबेन राठोड चुनाव लड़ेंगी। ३३ प्रतिशत महिला आरक्षण की बात करनेवाली भाजपा ने इस बार विधानसभा चुनाव में १८२ सीटों में से सिर्फ १२ सीटों पर महिला उम्मीदवार को चुनावी मैदान में उतारा है। जबकि कांग्रेस ने 10 महिला उम्मीदवारों को चुनावी जंग में उतारा है। कुल २२ महिला उम्मीदवारों में से विधानसभा में एक महिला की सीट पर भाजपा की महिला विधायक को कांग्रेस की महिला उम्मीदवार टक्कर देंगी। शेष २१ सीटों पर महिला उम्मीदवारों के सामने पुरुष उम्मीदवार है। भावनगर पूर्व की सीट पर भाजपा के उम्मीदवार और वर्तमान विधायक विभावरीबेन दवे के सामने कांग्रेस महिला उम्मीदवार नीताबेन राठोड को टिकट आवंटित की है। भाजपा ने विभावरीबेन को रिपीट किया है। वर्ष २०१२ की तुलना में भाजपा ने सात और कांग्रेस ने चार सीट महिला उम्मीदवार को आवंटित की है। भाजपा ने पांच महिला विधायक को रिपीट किया है और कांग्रेस ने दो विधायकों को रिपीट किया है। भावनगर पूर्व एकमात्र सीट है जहां दो महिलाओं के बीच सीधा मुकाबला होगा। इसी कारण भावनगर पूर्व की सीट लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। भाजपा द्वारा भावनगर पूर्व में विभावरीबेन दवे, भूज से नीमाबेन आचार्य, खेडब्रह्मा से रमीलाबेन बारा, गांधीधाम से मालतीबेन महेश्वरी, गोंडल से गीताबा जाडेजा, आंकलाव से हंसकुंवरबा राज, अकोटा से सीमाबेन मोहिले, वीरमगाम से तेजश्रीबेन पटेल, वडोदरा सिटी से मनीषाबेन वकील, चौर्यासी से झंखनाबेन पटेल, कालोल से सुमनबेन चौहान और लिंबायत से संगीता पाटील को चुनावी मैदान में उतारा है। जबकि कांग्रेस के भावनगर पूर्व से नीताबेन राठोड, उमरेठ से कपिलाबेन चावडा, गरबाडा से चंद्रिकाबेन बारिया, रापर से संतोकबेन आरेठिया, नवसारी से भावनाबेन पटेल, मणीनगर से श्वेता ब्रह्मभट्ट, साणंद से पुष्पाबेन डाभी, वाव से गेनीबेन ठाकोर, ऊंझा से डॉ.आशाबेन पटेल और दहेगाम से कामिनीबेन राठोड को चुनावी मैदान में उतारा है।

आखिर शहीद की पत्नी को जमीन का रसीद मिली

सीएम कार्यक्रम में पुत्री ने किया था विरोध

नर्मदा (ईएमएस)। जिला कलेक्टर के आदेश के बाद आज आखिर शहीद की पत्नी को जमीन की रसीद दे दी गई। बीते दिन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के कार्यक्रम में शहीद की पुत्री ने विरोध किया था। मीडिया में खबर आने के बाद हरकत में आए प्रशासन आज शहीद की पत्नी को जमीन की रसीद दे दी। दरअसल शहीद अशोक तड़वी के परिवार को जमीन आवंटन का ऐलान किया था। लेकिन काफी समय बीत जाने के बावजूद भूखंड नहीं मिलने पर शुक्रवार की शहीद अशोक तड़वी की पुत्री मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की सभा में पहुंच गई और उनसे मिलने की मांग करने लगी। लेकिन सभास्थल पर मौजूद महिला पुलिस कर्मी उसे उठाकर पुलिस थाने ले गए। महिला पुलिस के साथ घर्षण में कपड़े भी फट गए और घुटनों में चोट भी लगी होने का भी युवती ने मीडिया के समक्ष खुलासा किया। युवती ने कहा कि मेरे पिता वर्ष 2002 में कश्मीर में शहीद होगए थे। लेकिन काफी समय बीत जाने के बावजूद भूखंड नहीं मिलने पर शुक्रवार की शहीद अशोक तड़वी की पुत्री मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की सभा में पहुंच गई और उनसे मिलने की मांग करने लगी। घटना को कई साल बीतने के लिए शहीद के परिजनों को मिलने योग्य लाभ आज भी नहीं मिल रहे। युवती ने मांग की कि शहीद के परिवार को मिलने लाभ और जमीन उसे अविलंब उपलब्ध करवाई जाए। इस संदर्भ में मैं मुख्यमंत्री के समक्ष पेशकश करने उनकी सभा में गई थी। लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने मुख्यमंत्री से मिलने नहीं दिया। पूरी घटना मीडिया में आने के बाद हरकत में आए जिला कलेक्टर ने फौरन जांच के आदेश दिए और शहीद की पत्नी को आवंटित जमीन की रसीद सौंप दी।

45 लाख की विदेशी शराब के साथ दो शख्स गिरफ्तार

वड़ोदरा (ईएमएस)। विधानसभा चुनाव को शुरु होने में कुछ दिन शेष बचे है। ऐसे में शराब तस्कर खुलेआम शराब की हेराफेरी हो रही है। पुलिस ने आज तड़के शहर के हरणी इलाके के गोल्डन सर्किल से स्टेट विजिलन्स स्कवोड ने ४५ लाख रुपए की किंमत की विदेशी शराब के साथ दो शख्सों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरु की है। जबकि दो शख्स भागने में सफल रहे। सूत्रों के मुताबिक स्टेट विजिलन्स स्कवोड के उच्चाधिकारियों की टीम को मध्यप्रदेश के रतलाम से विदेशी शराब से लदा ट्रक वड़ोदरा शहर के हरणी इलाके के गोल्डन सर्किल ओवरब्रिज से गुजरने की जानकारी मिली थी। पुलिस ने पूर्व सूचना के आधार पर स्टेट विजलन्स स्कवोड के अधिकारी गश्त लगा रहे थे। इस दौरान आज सुबह एक ट्रक तेज गति से गुजर रही थी। पुलिस ने ट्रक का पीछा करते हुए ट्रक को रोका और तलाशी ली। पुलिस ने ट्रक की ताडपत्री खोलकर तलाशी लेने पर उसमें विदेशी शराब की सेंकडों की बोटले रखी हुई थी। पुलिस ने ४५ लाख रुपए की किंमत की विदेशी शराब के साथ मोबाइल फोन, नकद मिलाकर कुल ६७ लाख की किंमत का मालसामान कब्जे में ले लिया। पुलिस ने विदेशी शराब की हेराफेरी करनेवाले राजस्थान के रहनेवाले लियाकतअली लाल महंमद पठान और अजीमभाई सलीमभाई पठान नामक दोनों शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि दो शख्स भागने में सफल रहे। सूत्रों के मुताबिक स्टेट विजिलन्स स्कवोड के उच्चाधिकारियों की टीम को मध्यप्रदेश के रतलाम से विदेशी शराब से लदा ट्रक वड़ोदरा शहर के हरणी इलाके के गोल्डन सर्किल ओवरब्रिज से गुजरने की जानकारी मिली थी। जबकि अन्य एक शख्स और सोनु पठान समेत दो शख्स पुलिस को चकमा दे कर फरार हो गए। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए दोनों शख्सों की पूछताछ करने पर पता चला कि दोनों ने विदेशी शराब मध्प्रदेश के रतलाम से लाए थे। हालांकि शराब गुजरात में कहां और किसे पहुंचानी थी इस मामले में कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस ने मोबाइल फोन की कोल डिटेइल्स के आधार पर खोजबीन शुरु की है। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने अंबाजी निकट से राजस्थान से आ रहे एक ट्रक को जब्त किया जिसमें से १३ लाख की किंमत की विदेशी शराब बरामद की। पुलिस ने ट्रक चालक रवि बलवंतसिंह को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरु की है।

नोटबंदी पर मनमोहन सिंह ने सरकार को घेरा

एक सैकड़ा से ज्यादा मौतों पर जताया दुख

सूरत (ईएमएस)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने एक बार फिर नोटबंदी को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा, 8 नवंबर-2016 का दिन भारतीय इतिहास का काला दिन था, जब अर्थव्यवस्था को ध्वस्त कर दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री ने उन लोगों को याद किया, जिनकी मौत नोटबंदी लागू होने के कारण हुई थी। गुजरात चुनाव प्रचार के दौरान शनिवार को सूरत पहुंचे मनमोहन सिंह ने नोटबंदी के बाद कतारों में खड़े होने से सौ से ज्यादा लोगों की मौत की बात कहते हुए इन मौतों पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा, मैं बहुत दुख के साथ और पूरी जिम्मेदारी से कहता हूं कि 8 नवंबर भारतीय लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था के लिए काला दिवस था। इससे पहले मनमोहन सिंह ने नोटबंदी की पहली सालगिरह के मौके पर अहमदाबाद में नोटबंदी को सरकार की सबसे बड़ी भूल करार दिया था। उन्होंने नोटबंदी को एक संगठित लूट कहा था। वहीं 2016 में नोटबंदी लागू होने के बाद संसद सत्र के दौरान भी मनमोहन सिंह ने कड़े शब्दों में मोदी सरकार के इस फैसले की आलोचना की थी। बता दें कि गुजरात में अगले हफ्ते चुनाव होने हैं। पहले चरण का मतदान 9 दिसंबर को है, जबकि दूसरे चरण के लिए 14 दिसंबर को वोटिंग होगी। गुजरात में बड़ा व्यापारी वर्ग रहता है, ऐसे में कांग्रेस जीएसटी और नोटबंदी के असर को भुनाने की हर मुमिकन कोशिश कर रही है। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी समेत पूरी कांग्रेस जीएसटी और नोटबंदी को लेकर चुनाव प्रचार में मोदी सरकार को घेर रही है। आर्थिक मामलों पर मनमोहन सिंह के विचारों को इसलिए तरजीह दी जाती है कि उनका नाम दुनिया के चुनिंदा बड़े अर्थशास्त्रियों में शुमार किया जाता है।

मोदी आज से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिर एक बार फिर दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे है। प्रधानमंत्री कल भरुच, सुरेन्द्रनगर, अहमदाबाद और राजकोट में करेंगे चुनावी प्रचार। जबकि सोमवार ४ दिसम्बर को धरमपुर, भावनगर, जुनागढ और जामनगर में जनसभा करेंगे। गुजरात में प्रथम चरण के चुनाव को लेकर कुछ दिनों शेष बचे है। चुनावी प्रचार को गति देने के लिए पीएम कल से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे है। प्रधानमंत्री कल राजकोट का दौरा करेंगे। और वहां चुनावी सभा संबोधित करेंगे। पुलिस व प्रशासन के लिए जोर शोर से तैयारियां चल रही है। शहर भाजपा इन चुनावी सभा ऐतिहासिक बनाने के लिए कार्य में जुट गया है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा हेतु विशेष बंदोबस्त किए गए है। प्रधानमंत्री 4 दिसम्बर को वलसाड के धरमपुर में व भावनगर, जुनागढ और जामनगर में भी चुनावी सभा को संबोधित करेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com